दैनिक भारत कि
तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३१३ वा | शनिवार १४ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

एसटी के अधिकृत होटल-मोटेल स्टॉप्स पर नई आचारसंहिता लागू

मुंबई । विशेष प्रतिनिधि: राज्यभर में महाराष्ट्र राज्य परिवहन महामंडल (एसटी) के अधिकृत होटल-मोटेल स्टॉप्स पर घटिया खाद्य गुणवत्ता, गंदगी और यात्रियों के साथ हो रही लूट-खसोट को देखते हुए अब एसटी महामंडल ने इन स्टॉप्स के लिए नई आचारसंहिता लागू की है। इसके तहत अब प्रत्येक होटल स्टॉप के अनुबंध की हर वर्ष समीक्षा की जाएगी और पारदर्शी निविदा प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

हाल ही में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को भी पंढरपुर यात्रा के दौरान एसटी के एक अधिकृत होटल स्टॉप की अव्यवस्था का अनुभव हुआ। यात्रियों की सुविधा में कमी और भोजन की गुणवत्ता पर उन्होंने नाराजगी जताई। इसके बाद एसटी महामंडल ने तुरंत संज्ञान लेते हुए नया परिपत्र जारी किया है।

नई आचारसंहिता के प्रमुख प्रावधान इस प्रकार हैं: अब से किसी भी नए होटल-मोटेल स्टॉप को पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से अधिकतम ३ वर्षों के लिए मंजूरी दी जाएगी।

पहले एक वर्ष के कार्यकाल के बाद उस स्टॉप की सेवाओं का पुनरावलोकन कर ही अगले दो वर्षों के विस्तार पर विचार किया जाएगा।

निविदा प्रक्रिया में यह स्पष्ट किया जाएगा कि होटल की स्वच्छता, खाद्य गुणवत्ता और बसों की पार्किंग सुविधा को प्राथमिकता दी जाए।

संबंधित होटल स्टॉप की सिफारिश से पहले उस क्षेत्र के आगार व्यवस्थापक, विभागीय परिवहन अधिकारी और विभाग नियंत्रक को स्थल निरीक्षण कर वस्तुनिष्ठ रिपोर्ट देनी होगी।

यदि भविष्य में उस होटल स्टॉप के संबंध में कोई यात्री शिकायत आती है, तो संबंधित अधिकारियों पर ज़िम्मेदारी तय कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यदि होटल संचालक ने एसटी महामंडल से

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीने अहमदाबाद विमान हादसे की जगह का किया दौरा; शोक संतप्त परिजनों से मिले और घायलों का जाना हाल

शेख हबीब । अहमदाबाद । १३ जून २०२५

गुजरात के अहमदाबाद शहर के नज़दीक १२ जून २०२५ को हुए एयर इंडिया के विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। हादसे में २४० से अधिक यात्रियों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद पहुंचे और घटना स्थल का दौरा किया, घायलों से मिले और मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी।

प्रधानमंत्री मोदी सीधे पहुंचे दुर्घटना स्थल

प्रधानमंत्री मोदी सुबह ९:३० बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट पर पहुंचे, जहाँ से उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों के साथ सीधा रुख किया उस फार्म क्षेत्र की ओर जहाँ एयर इंडिया का विमान क्रैश हुआ था। मौके पर अब भी मलबा हटाने और बचाव अभियान जारी है। मोदी ने वहां एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, और एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत और पुनर्वास कार्यों में कोई कोताही न बरती जाए।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह मंत्री हर्ष संघवी साथ रहे

प्रधानमंत्री के साथ इस दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल और राज्य के गृहमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे। उन्होंने भी घटनास्थल का दौरा किया और संयुक्त रूप से ज़िला प्रशासन, मेडिकल टीम और सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय पर चर्चा की।

पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निवास पर पहुँचे

इस हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी दुखद निधन हो गया। प्रधानमंत्री मोदी, रूपाणी के गांधी नगर स्थित निवास पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने रूपाणी की पत्नी और परिवारजनों से भेंट कर गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें एक समर्पित और निष्कलंक जनसेवक बताया।

सिविल अस्पताल में घायलों से की मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल पहुँच कर वहां भर्ती घायल यात्रियों की स्थिति की जानकारी ली। डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि घायलों के इलाज में कोई कमी न रहे और आवश्यक संसाधन तुरंत उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने घायलों को जल्द स्वास्थ्य लाभ की शुभकामनाएं भी दीं।

राष्ट्रव्यापी शोक और राहत की घोषणाएं

इस भयावह दुर्घटना के बाद देशभर में शोक की लहर है। केंद्र सरकार की ओर से दुर्घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय से यह भी जानकारी दी गई है कि प्रत्येक मृतक के परिजन को १० लाख की अनुग्रह राशि, गंभीर रूप से घायलों को ५ लाख और मामूली घायलों को १ लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

मस्जिद अल-अक्सा को अनिश्चितकाल के लिए बंद किया गया, इज़राइल की बढ़ती आक्रामकता

जेरुसलम, १३ जून:

इज़राइल द्वारा की जा रही सैन्य कार्रवाई और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए मस्जिद अल-अक्सा को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। इस्लामी वक्फ विभाग ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि अल-अक्सा मस्जिद में नमाज और धार्मिक गतिविधियों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है।

इज़रायली सुरक्षा बलों ने पुराने शहर के कई क्षेत्रों में /'.ऊज्ककर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया है। इस कदम को फ़िलिस्तीनी जनता और इस्लामी देशों में गंभीर चिंता के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि अल-अक्सा मस्जिद मुसलमानों का तीसरा सबसे पवित्र स्थल मानी जाती है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक़, इस बंदी का कोई स्पष्ट समय निर्धारित नहीं किया गया है और यह फ़ैसला अचानक लिया गया है। फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण और कई मानवाधिकार संगठनों ने इस कार्यवाही की कड़ी निंदा करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला बताया है।

इस घटना से क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। कई इस्लामी देशों ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है ताकि धार्मिक स्थलों की गरिमा और स्वायत्तता को बरकरार रखा जा सके।

बिजली का करंट लगने से युवक की मौत

अंबाजोगाई (१३ जून) । प्रतिनिधि: तालुका के घाटनांदूर गांव में शुक्रवार सुबह ९ बजे के करीब खेत में काम करते समय बिजली के तार की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मात्र २४ वर्ष की उम्र में हुए इस आकस्मिक निधन से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

मृत युवक का नाम धनंजय राजाभाऊ जाधव (उम्र २४ वर्ष) बताया गया है। रोज़ की तरह वह सुबह खेत में काम करने गया था। इस दौरान खेत में मौजूद विद्युत प्रवाह वाली तार को छूने से उसे तेज़ करंट लगा और वह मौके पर ही गिर पड़ा।

परिवार वालों ने तत्काल उसे अंबाजोगाई के स्वामी रामानंद तीर्थ ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, आज उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। युवक की असामयिक मृत्यु से परिजनों और ग्रामवासियों में गहरा दुख व्यक्त किया जा रहा है।

श्री गजानन नागरी सहकारी बैंक के सरव्यवस्थापक डॉ. शेख मंजूर अहमद को 'उत्कृष्ट सीईओ अवॉर्ड २०२५' से सम्मानित

मुंबई,- बी २ बी इन्फो मीडिया और भारत रत्न सहकारिता सम्मान फाउंडेशन की ओर से महाराष्ट्र राज्य की नागरी सहकारी बैंकों की श्रेणी में श्री गजानन नागरी सहकारी बैंक के सरव्यवस्थापक डॉ. शेख मंजूर अहमद शेख सलीम को वर्ष २०२५ का उत्कृष्ट सीईओ / सरव्यवस्थापक अवॉर्ड प्रदान किया गया है।

यह पुरस्कार २३ मई २०२५ को मुंबई के द ललित होटल में आयोजित भव्य कार्यक्रम में भारत सरकार के संचार मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री सुमनेश जोशी के हाथों सौंपा गया। इस अवसर पर बैंक के सीईओ श्री एम. आर. क्षीरसागर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

डॉ. शेख मंजूर को यह सम्मान उनकी उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता, नवाचारपूर्ण नेतृत्व और सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में दिए गए विशेष योगदान के लिए दिया गया है। पुरस्कार प्राप्त होने पर बैंक के अध्यक्ष श्री जयदत्त सोनाजीराव शिरसागर उर्फ अण्णा, उपाध्यक्ष श्री जगदीश वासुदेवराव काळे उर्फ भाऊ तथा संपूर्ण संचालक मंडल ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी डॉ. शेख मंजूर को पीएचडी अवॉर्ड और बेस्ट मैनेजर अवॉर्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं, जो उन्हें महाराष्ट्र अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक असोसिएशन लिमिटेड, मुंबई की ओर से महाराष्ट्र राज्य की नागरी सहकारी बैंकों में उत्कृष्ट योगदान हेतु दिए गए थे।

भाजपा को छोड़ किसी से भी गठबंधन करने की छूट!

स्थानीय निकाय चुनाव के लिए शरद पवार गुट की रणनीति तय?

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई । १३ जून

राज्य में दिवाली के बाद प्रस्तावित स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं (महानगरपालिका, नगरपालिका, जिला परिषद) के चुनावों को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने रणनीतिक तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। अधिक से अधिक सीटें जीतने के लिए सत्ताधारी महायुती और विपक्षी महाविकास आघाड़ी के घटक दलों ने स्वतंत्र रूप से योजनाएं बनाना शुरू कर दिया है।

जहाँ महायुती (भाजपा, शिंदे गुट, अजित पवार गुट) ने अधिकांश स्थानों पर संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने की घोषणा की है, वहीं महाविकास आघाड़ी में अब तक कोई ठोस सामूहिक रणनीति तय नहीं हुई है। हालांकि, महाविकास आघाड़ी के एक प्रमुख घटक राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) ने अपनी स्पष्ट रणनीति तय कर ली है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा को छोड़कर अन्य किसी भी स्थानीय राजनीतिक दल के साथ गठबंधन करने की छूट दी गई है।

पार्टी नेतृत्व का मानना है कि स्थानीय स्तर पर परिस्थितियों को देखते हुए अगर अजित पवार गुट या एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ गठबंधन करना पड़े, तो उसमें भी कोई आपत्ति नहीं होगी। इस संदर्भ में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार स्थानीय नेताओं को दिया गया है।

राज्य की अधिकांश महानगरपालिकाओं, नगरपालिकाओं और जिला परिषदों के चुनाव पिछले तीन से साढ़े तीन वर्षों से लंबित हैं। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार आगामी चार महीनों में यह चुनाव कराए जाने हैं, जिसके चलते चुनाव आयोग ने तैयारियाँ तेज कर दी हैं। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि चुनाव अक्टूबर २०२५ में, मानसून समाप्त होने के बाद कराए जाएंगे।

शरद पवार गुट की इस रणनीति से यह स्पष्ट हो रहा है कि वे भाजपा से दूरी बनाए रखते हुए, स्थानीय स्तर पर व्यावहारिक गठबंधन को प्राथमिकता देंगे। इस घोषणा के बाद राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज हो गई है कि स्थानीय चुनावों में महाविकास आघाड़ी और महायुती के घटक दल किस तरह की सीट समझौतों पर उतरेंगे? कौन दल स्वबल पर चुनाव लड़ेगा और कौन-कौन किसके साथ गठबंधन करेगा - यह देखना दिलचस्प रहेगा।

संपादक शेख मुजीब को 'मराठवाड़ा भूषण पत्रकारिता पुरस्कार २०२५' देने की घोषणा

महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ का पहला राज्यस्तरीय पुरस्कार, १५ जून को छत्रपति संभाजीनगर में होगा वितरण

बीड (प्रतिनिधि): पत्रकारिता के क्षेत्र में बीते १२ वर्षों से जनसरोकारों से जुड़ी बेबाक लेखनी और वंचित-उपेक्षित वर्ग की आवाज़ को मंच देने वाले सायंकालीन दैनिक बीड सिटिझन' के संपादक शेख मुजीब शेख खाजा को महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ, मुंबई की ओर से 'मराठवाड़ा भूषण पत्रकारिता पुरस्कार २०२५' से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार संघ की ओर से घोषित पहला राज्यस्तरीय सम्मान है।

इसकी जानकारी पत्रकार संघ के प्रदेश संपर्क प्रमुख वैभव स्वामी ने दी। पुरस्कार वितरण समारोह रविवार, १५ जून को छत्रपति संभाजीनगर के उस्मानपुरा स्थित 'संत एकनाथ रंग मंदिर' में सुबह १० बजे आयोजित किया जाएगा।

यह आयोजन मराठवाड़ा स्तरिय रौप्य महोत्सवी अधिवेशन' तथा 'मराठवाड़ा भूषण पुरस्कार २०२५' वितरण समारोह के रूप में किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री संजय सिरसाट के हाथों होगा।

कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रमुख अतिथि:

प.पू. १००८ महामंडलेश्वर शांतिगिरी महाराज

अतुल सावे (पालकमंत्री, नांदेड़)

पंकजा मुंडे (पालकमंत्री, जालना)

नरहरी झिरवाल (पालकमंत्री, हिंगोली)

मेघना बोर्डीकर (पालकमंत्री, परभणी)

डॉ. भागवत कराड (सांसद, राज्यसभा)

चंद्रकांत खैरे (नेता, शिवसेना)

विधायक प्रदीप जैस्वाल, प्रशांत बंब, संजय केनेकर, संजनाताई जाधव, अनुराधाताई चव्हाण

जयदीप कवाडे (अध्यक्ष, महाराष्ट्र लघुउद्योग विकास महामंडल)

वरिष्ठ पत्रकार मधुकर अण्णा वैद्य

पूर्व महापौर नंदकुमार घोडेले डिजिटल मीडिया के प्रदेशाध्यक्ष सिद्धार्थ भोकरे

एबीपी माझा की संपादिका सरिताताई कौशिक

प्रसिद्ध अभिनेता योगेश सिरसाट

बंगलुरु की पूर्णब्रह्म प्रशासकीय संचालिका जयंतीताई कठाळे

कार्यक्रम की अध्यक्षता पत्रकार संघ के संस्थापक अध्यक्ष संजय भोकरे करेंगे, जबकि मंच पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक वानखेड़े, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद वाकडे, प्रदेश सरचिटणीस डॉ. विश्वास आरोटे, उपाध्यक्ष अशोक देडे, राज्य समन्वयक नितीन शिंदे, प्रसार प्रमुख नवनाथ जाधव और कार्याध्यक्ष निलेश सोमानी उपस्थित रहेंगे। विशेष परिसंवाद:

कार्यक्रम के तहत भारतीय मीडिया का डीएनए क्या है? मीडिया का अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर एक परिसंवाद आयोजित किया जाएगा, जिसमें संवादिका अश्विनीताई डोके के साथ कई प्रमुख वक्ता भाग लेंगे - सरिताताई कौशिक (एबीपी माझा), पूर्व कुलगुरु सुधीर गव्हाणे, संजय भोकरे, संजय सोनवणी, अड. महेश भोसले, अविनाश वानखेड़े और एनालायज़र' के संपादक सुधीर कुलकर्णी।

इस भव्य कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पत्रकार संघ के मराठवाड़ा अध्यक्ष अनिल सावंत, बीड जिल्हाध्यक्ष डॉ. छबुराव ताटे और छत्रपति संभाजीनगर के सभी पदाधिकारियों ने सार्वजनिक अपील की है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

भगवान पर विश्वास रखें, अंधविश्वास नहीं-परम पूज्य प्रदीप मिश्राजी

चाकरवाड़ी में शिवमहापुराण कथा और अखंड हरिनाम सप्ताह का समापन आज; बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति

चाकरवाड़ी (प्रतिनिधि): शिव परमेश्वर पर विश्वास रखो। ईश्वर पर रखा गया विश्वास आत्मविश्वास पैदा करता है और उसी आत्मबल से जीवन में सफलता मिलती है। लेकिन अंधविश्वास से दूर रहो, क्योंकि अंधविश्वास जीवन को नुकसान पहुंचाता है। – ये विचार परम पूज्य प्रदीप मिश्रा जी सिहोर वालों ने चाकरवाड़ी में शिवमहापुराण कथा के दौरान व्यक्त किए।

चाकरवाड़ी में चल रहे अखंड हरिनाम सप्ताह और शिवमहापुराण कथा का समापन समारोह आज शनिवार, १५ जून को संपन्न हो रहा है। इस आयोजन को २०वीं सदी के महान संत ज्ञानेश्वर माऊली के आशीर्वाद और तपोनिधि गुरुवर्य महादेव महाराज चाकरवाड़ीकर के मार्गदर्शन में संपन्न किया जा रहा है।

कथा में आगे बोलते हुए मिश्रा जी ने कहा, शिव, विष्णु, नारायण, पांडुरंग, कृष्ण, कन्हैया – सब एक ही ईश्वर के स्वरूप हैं। किसी की प्रगति देखकर प्रेरणा लो, उससे बड़ी उड़ान भरो, लेकिन जलन मत रखो। किसी ने गाड़ी खरीदी हो, तो तुम भी खरीदो – लेकिन उससे जलो मत। यह जलन की भावना खत्म करना जरूरी है। अध्यात्म और भक्ति ही समाधान है। शिवभक्ति से जीवन में आनंद आता है और नकारात्मक वृत्तियों का अंत होता है।

समापन का विस्तृत कार्यक्रम इस प्रकार है:

आज सुबह ८ बजे से शिवमहापुराण कथा का समापन होगा, जिसके बाद ज्ञानेश्वर महाराज माऊली दादा के रजत महोत्सव अवसर पर अखंड हरिनाम सप्ताह के अंतर्गत 'काल्याचे कीर्तन' दोपहर ११:३० से १ बजे तक ह.भ.प संदीपान महाराज हासेगांवकर और जोग महाराज, वारी शिक्षण संस्था, श्री क्षेत्र आळंदी-देहू के सान्निध्य में होगा। इसके पश्चात महाप्रसाद का आयोजन होगा।

शिवमहापुराण कथा के दौरान शृंगेरी पीठ के शंकराचार्य मान्यता प्राप्त आचार्य अभिनव विद्या नरसिंह भारती स्वामी महाराज अपने शिष्यगणों के साथ माऊली दादा की समाधि का दर्शन कर कथा में उपस्थित हुए और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों में शामिल रहे:

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटील

पूर्व मंत्री सुरेश धस

पूर्व मंत्री अशोक पाटील

सांसद रजनीताई पाटील

सांसद बजरंग सोनवणे

पूर्व नगराध्यक्ष पापा मोदी

विभिन्न समाचार पत्रों के संपादक, उप-संपादक और न्यूज़ चैनलों के प्रतिनिधि

यह आयोजन चाकरवाड़ी में एक भव्य और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर भगवान शिव की भक्ति में लीन हो रहे हैं।

जब मेरी आंख खुली तो चारों ओर लाशें ही लाशें थीं-विमान हादसे में बचे यात्री का दर्दनाक बयान

नई दिल्ली (प्रतिनिधि): अहमदाबाद से लंदन जा रहे अंतरराष्ट्रीय विमान की भीषण दुर्घटना में बचे एक यात्री ने हादसे के बाद के भयावह दृश्यों का दर्दभरा बयान दिया है। उसने बताया कि जब उसकी आंख खुली, तो चारों तरफ केवल लाशें पड़ी थीं और चारों ओर चीख-पुकार मची हुई थी।

इस हादसे में २४१ यात्रियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बचने वाले यात्रियों में से एक ने बताया, मुझे नहीं पता मैं कैसे बच गया। जब मुझे होश आया, तो मेरे सामने एक महिला की लाश थी, और उसके हाथ में एक बच्चा था जो अब इस दुनिया में नहीं रहा। चारों ओर खून और मलबा फैला हुआ था।

प्रत्यक्षदर्शी ने आगे कहा, यह किसी डरावने ख्वाब जैसा था। लोगों की चीखें अब भी मेरे कानों में गूंज रही हैं। मैंने खुद को संभालते हुए वहां से रेंगते हुए बाहर निकाला। उसने बताया कि हादसे के समय तेज धमाका हुआ और सब कुछ क्षणभर में बदल गया।

अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विमान में तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है, हालांकि विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार है।

सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की है और गंभीर रूप से घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाने का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

इस भयावह दुर्घटना से पूरा देश शोक में डूबा हुआ है। हादसे से जुड़ी और जानकारी आने के साथ ही प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटा हुआ है।

लिंबागणेश प्राथमिक आरोग्य केंद्र बदहाली की कगार पर

छत से पानी टपक रहा, ऑपरेशन थिएटर में लाइट नहीं, टॉयलेट जाम, दरवाज़े-खिड़कियाँ टूटीं – स्वास्थ्य सेवाएँ प्रभावित

लिंबागणेश (१३ जून) । प्रतिनिधि: बीड तहसील की मुख्य बाजारपेठ और १५ गांवों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वाला लिंबागणेश प्राथमिक आरोग्य केंद्र आज गंभीर बदहाली का शिकार हो चुका है। पिछले ३७ वर्षों से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवा देने वाला यह केंद्र आज छत की टपकन, बिजली की खराब फिटिंग, बंद टॉयलेट और टूटी खिड़कियों-दरवाज़ों जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, जिससे मरीजों और स्टाफ को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के मौसम में इमारत की छत से लगातार पानी टपक रहा है, जिससे मरीजों को भारी परेशानी हो रही है। वहीं, ऑपरेशन थिएटर की लाइट फिटिंगें पुरानी और खराब हो चुकी हैं, जिन्हें तत्काल बदलने की ज़रूरत है। इसके अलावा, केंद्र के शौचालयों की निकासी व्यवस्था जाम हो गई है, जिससे स्वास्थ्य कर्मचारियों और मरीजों की असुविधा और बढ़ गई है।

केंद्र के विद्युत आपूर्ति में भी बार-बार खंडन हो रहा है, जिसके चलते सिंगल फेज कनेक्शन की मांग की जा रही है। प्राथमिक आरोग्य केंद्र में डॉक्टरों और कर्मचारियों के लिए बने निवास भवन भी जर्जर हो चुके हैं – जहां बारिश के दौरान पानी रिसता है, खिड़कियाँ और दरवाज़े टूट चुके हैं, टाइल्स टूटी हुई हैं और रंग-रोगन की सख्त ज़रूरत है।

इस संदर्भ में सामाजिक कार्यकर्ता एवं बीड जिला सूचना अधिकार कार्यकर्ता महासंघ के मुख्य प्रचार प्रमुख डॉ. गणेश ढवळे ने बीड के जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उल्हास गंडाळ को पत्र लिखकर तत्काल मरम्मत और सुविधाओं की मांग की है। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र में पांच स्वीकृत परिचर पदों में से केवल दो ही कार्यरत हैं, शेष तीन पद रिक्त पड़े हैं, जिससे कार्यभार और मानसिक तनाव दोनों बढ़ रहे हैं। उन्होंने इन पदों की शीघ्र नियुक्ति की मांग की है।

प्राथमिक आरोग्य केंद्र की प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रूपाली चिटकुलवार ने भी इन समस्याओं की पुष्टि करते हुए बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं को जारी रखने के लिए बार-बार पत्राचार किया गया है, परंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

ग्रामीणों की सेहत से जुड़ा यह मुद्दा अब तत्काल सरकारी ध्यान और हस्तक्षेप की मांग कर रहा है, ताकि आवश्यक सुविधाएं बहाल की जा सकें और प्राथमिक आरोग्य केंद्र फिर से प्रभावी रूप से कार्य कर सके।

जालना में 'तहफ़्फ़ुज़-ए-वक़्फ़' पर ऐतिहासिक बैठक अब २८ जून को आयोजित होगी

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ नेताओं की होगी विशेष उपस्थिति

जालना (प्रतिनिधि): तहफ़्फ़ुज़-ए-वक़्फ़ कमेटी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जालना की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पहले ३० जून को प्रस्तावित 'वक़्फ़ सुरक्षा सम्मेलन' की तिथि में बदलाव किया गया है। अब यह ऐतिहासिक बैठक २८ जून २०२५, शनिवार को शाम ६ बजे से रात १० बजे तक जालना में आयोजित की जाएगी।

यह बदलाव ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष हज़रत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी साहब की व्यस्तताओं के चलते किया गया है। इस कार्यक्रम में बोर्ड के शीर्ष नेता और अन्य प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधि शामिल होंगे।

सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रमुख अतिथियों में शामिल हैं:

मौलाना फज़लुर रहीम मोजद्ददी (महासचिव, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड)

मौलाना उमरीन महफूज़ रहमानी (सचिव, पर्सनल लॉ बोर्ड)

मौलाना सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी (उपाध्यक्ष, पर्सनल लॉ बोर्ड)

डॉ. सैयद कासिम रसूल (कन्वीनर, तहफ़्फ़ुज़-ए-वक़्फ़ कारवां)

मौलाना असगर अली मेहदी (उपाध्यक्ष)

मौलाना हलीमुल्लाह क़ासमी (अध्यक्ष, जमीयत उलमा अरशद मदनी, महाराष्ट्र)

मौलाना हाफिज़ नदीम सिद्दीक़ी (अध्यक्ष, जमीयत उलमा महमूद मदनी, महाराष्ट्र)

जनाब महमूद दर्या अबादी (मुंबई)

इसके अतिरिक्त जालना और महाराष्ट्र भर से अनेक धर्मों के सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक प्रतिनिधियों की भागीदारी तय मानी जा रही है।

बैठक के आयोजकों में प्रमुख नाम हैं:

मुफ़्ती अब्दुर्रहमान नायगांववी (क़ाज़ी-ए-शरीअत)

मौलाना अब्दुर्रऊफ नदवी (कन्वीनर, तहफ़्फ़ुज़-ए-वक़्फ़ कमेटी)

मौलाना सैयद नसरुल्लाह हुसैनी सुहैल नदवी (नक़ीब, अमारत-ए-शरीया जालना)

जनाब इक़बाल पाशा साहब

मुफ़्ती फ़हीम (जमीयत उलमा अरशद मदनी)

शेख मुजीब सर (सेक्रेटरी, जमाअत-ए-इस्लामी, महाराष्ट्र)

लियाक़त अली ख़ान यासिर (वहदत इस्लामी, जालना)

मोहम्मद क़ासिम एजाज़ सिद्दीकी (जमीयत उलमा)

मुफ़्ती इलियास नदवी (मजलिस पैग़ामे इंसानियत)

असदुल्लाह रिज़वी (एमडीएफ)

फ़िरोज़ अली मौलाना (मुस्लिम विकास परिषद)

इरफ़ान कैप्टन, शेख अब्दुल वहीद सर, अहमद नूर सर (पत्रकार) आदि।

बैठक को लेकर ज़ोरदार तैयारियाँ चल रही हैं। आयोजकगण रोज़ाना बैठकें कर रहे हैं, प्रचार-प्रसार में जुटे हुए हैं और शहर के वरिष्ठ उलमा और गणमान्य नागरिकों से मुलाकातें कर रहे हैं।

यह बैठक केंद्र सरकार द्वारा लाए गए उस विवादित वक़्फ़ कानून के विरोध में हो रही है, जिसे मुस्लिम समुदाय की नाराज़गी के बावजूद थोप दिया गया है। यह कानून न संविधान सम्मत है और न ही धार्मिक दृष्टि से स्वीकार्य है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड इसके विरोध में देशभर में जनजागरण अभियान चला रहा है और जालना की यह बैठक उसी श्रृंखला का एक ऐतिहासिक हिस्सा बनेगी।

आयोजकों ने सभी न्यायप्रिय और संवेदनशील नागरिकों से इस ऐतिहासिक बैठक को सफल बनाने की अपील की है।

पूर नियंत्रण के उपाय करें और नई मार्गदर्शक रेखाएँ तय करें-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

ज़मीर काज़ी

मुंबई, १३ जून – राज्य में कई नदियों के किनारे बीते कई वर्षों में बाढ़ की कोई गंभीर स्थिति नहीं बनी है, फिर भी बाढ़ नियंत्रण रेखाओं के कारण विकास कार्यों को अवरोध का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सभी नदी तटीय क्षेत्रों में बाढ़ नियंत्रण की ठोस उपाययोजना बनाकर बाढ़ रेखाओं के संबंध में मार्गदर्शक तत्वों को फिर से निर्धारित किया जाए, ऐसा निर्देश मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को दिया।

यह निर्देश ठाणे जिले के मुरबाड विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान सह्याद्री अतिथिगृह, मुंबई में हुई बैठक में दिए गए। इस बैठक में विधायक किसन कथोरे, नगर विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव असीमकुमार गुप्ता, एमएमआरडीए के महानगर आयुक्त संजय मुखर्जी, सार्वजनिक निर्माण विभाग की अपर मुख्य सचिव मनिषा म्हैसकर, नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव डॉ. के. गोविंदराज, महावितरण के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने उल्हास नदी के किनारे की बाढ़ रेखा तथा वास्तविक स्थिति के संबंध में जानकारी ली और कहा कि जहां वर्षों से बाढ़ नहीं आई है, वहां जलसंपदा विभाग को नई बाढ़ रेखा के लिए सर्वेक्षण करना चाहिए।

मेट्रो, पुल और रेलवे स्टेशन विकास कार्यों को गति देने के निर्देश

बेलवली-कात्रप रेल्वे क्रॉसिंग ओवरब्रिज के संबंध में एमएमआरडीए को कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

दत्त चौक से समर्थनगर तक रेलवे लाइन के समानांतर ओवरब्रिज के लिए नगर परिषद को प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश मिले हैं।

बदलापूर रेल्वे स्टेशन के विकास हेतु सॅटिस प्रकल्प को तेज़ी से आगे बढ़ाया जाए।

गॅरेज रोड से होपलाइन पॉवर हाउस तक के पूर्व-पश्चिम रेलवे उड्डाण पुल के काम को भी गति देने के निर्देश दिए गए।

कांजूरमार्ग-ऐरोली-शिळफाटा-कटाई-बदलापूर मेट्रो के पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप प्रोजेक्ट को तय समय में पूरा करने की प्रक्रिया पर ज़ोर दिया गया।

बदलापूर, कुळगाव और एमआयडीसी संबंधी विशेष निर्णय

कालू धरण की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण कर मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित टाटा पावर उपकेंद्र के लिए ज़रूरी भूमि को एमएमआरडीए द्वारा तत्काल स्वीकृति देने को कहा।

कुळगाव पुलिस स्टेशन के लिए एमआयडीसी की भूमि पर प्रस्ताव तात्कालिक रूप से गृह विभाग को भेजने के निर्देश दिए। कुळगाव की एक निजी संपत्ति पर बनी स्कूल के अनधिकृत निर्माण पर आरक्षण में बदलाव कर उसे नगर परिषद के अंतर्गत संचालित करने की सिफारिश की गई।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि जहां विकास कार्यों में बाढ़ नियंत्रण रेखाएं बाधा बन रही हैं, वहां व्यावहारिक व वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर नई दिशानिर्देश तय किए जाएं, ताकि नागरिकों के हित में विकास कार्य सुचारू रूप से चल सके।

पांच माह का बकाया मानधन तुरंत दें: आशा कार्यकर्ताओं व समूह प्रवर्तकों का जिला परिषद कार्यालय पर धरना

बीड (प्रतिनिधि): जनवरी २०२५ से लगातार पांच महीने से मानधन न मिलने के कारण आर्थिक संकट का सामना कर रहीं आशा स्वयंसेविकाओं और समूह प्रवर्तकों ने आखिरकार सड़क पर उतरकर अपनी मांगों के लिए संघर्ष शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र राज्य आशा स्वयंसेविका व गटप्रवर्तक महासंघ के बैनर तले १३ जून २०२५ को बीड जिला परिषद कार्यालय के समक्ष दोपहर १२:३० बजे से लेकर शाम ५ बजे तक जोरदार धरना आंदोलन किया गया।

आंदोलन के दौरान महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष भगवान देशमुख, प्रदेश कार्याध्यक्ष कमल बांगर, राज्य संघटक दत्ता देशमुख और जिला अध्यक्ष सचिन आंधळे ने बताया कि बीते पांच माह से मानधन न मिलने के कारण कई आशा कार्यकर्ताओं को भूखे सोने की नौबत आ गई है। कुछ महिलाओं को घर चलाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है, तो कुछ को अपने दौरों के खर्च के लिए उधारी पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि अप्रैल २०२५ का मानधन निधि जिला प्रशासन को प्राप्त हो चुका है, फिर भी अब तक उसका वितरण नहीं किया गया, जो बेहद चिंता का विषय है। आंदोलन के दौरान यह भी आरोप लगाया गया कि बायोमेट्रिक हाजिरी की अनिवार्यता, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का बकाया भुगतान, और ऑनलाइन कामों के लिए जरूरी मोबाइल, सिम कार्ड व रिचार्ज जैसी बुनियादी सुविधाएं तक सरकार उपलब्ध नहीं करा रही है।

समूह प्रवर्तकों ने यह भी शिकायत की कि उनसे कौन-कौन से दस्तावेज और रिपोर्ट मांगे जाते हैं, इस संबंध में कोई स्पष्ट मार्गदर्शक निर्देश नहीं दिए गए हैं, जिससे भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है। इसीलिए संगठन ने मांग की है कि आशा डायरी' की तरह एक रिकॉर्ड डायरी' प्रदान की जाए और वेतन पर्ची नियमित रूप से दी जाए। साथ ही हर तीन वर्षों में समूह प्रवर्तकों के रिकॉर्ड को तालुका स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में जमा करने की प्रक्रिया को लागू किया जाए।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द ही प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर समाधान नहीं निकाला, तो आंदोलन को और अधिक तीव्र किया जाएगा। इस अवसर पर जिला अतिरिक्त स्वास्थ्य अधिकारी आठवले और जिला समन्वयक श्री बादाडे को मांगों का ज्ञापन सौंपा गया।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com